

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	ज्येष्ठ 17, मंगलवार, शाके 1944-जून 7, 2022 <i>Jyaistha 17, Tuesday, Saka 1944- June 7, 2022</i>	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**वन विभाग**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, मई 23, 2022**

**संख्या प. 2 (6) वन/2022** :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें ले लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है,

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/ असिस्टेंट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है, तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एकट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (Reserved) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,  
बी. प्रवीण,  
शासन सचिव,  
वन विभाग,  
शासन सचिवालय, जयपुर।

**प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर-भूमि)**

क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण		
					ग्राम	खसरा नं.	रकबा (हैक्टर मे)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भैरूखेडा (ए)	करेडा	भीलवाडा	उत्तर-आराजी नं.- 5	भैरूखेडा	941/ 393	18.9696
				पूर्व- आराजी नं.-392			
				पश्चिम - सीमा ग्राम जसवन्तपुरा			
				दक्षिण- आराजी नं.393/3			
				योग		किता-1	18.9696
2	भैरूखेडा (बी)	करेडा	भीलवाडा	उत्तर-आराजी नं.-726	रतनपुरा	1006/ 727	25.2928
				दक्षिण- आराजी नं.-731 व सीमा ग्राम बागोलिया			
				पश्चिम - आराजी नं.- 728 व 1046/729		1011/ 728	6.1714
				पूर्व-सीमा ग्राम बलियों का खेड़ा			
				योग		किता-2	31.4642

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
भीलवाडा

डी.पी. जागावत,  
उप वन संरक्षक,  
भीलवाडा।

## द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क्र.सं.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी नाम
1	<i>Acacia Leucophloea</i>	रोंझ
2	<i>Acacia nilotica</i>	देशी बबूल
3	<i>Azadirachta indica.</i>	नीम
4	<i>Zizyphus nummularia</i>	झड़ बेरी

क्षेत्रीय वन अधिकारी  
भीलवाडा

डी.पी. जागावत,  
उप वन संरक्षक  
भीलवाडा ।

प्रमाण पत्र

वनखण्ड भैरूखेडा (ए,बी)

रेंज - भीलवाडा

वन मंडल - भीलवाडा

- 1 प्रारूप में दर्शाई गई भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबन्दी में बंजड वन विभाग के नाम से दर्ज है तथा यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमल दरामद है।
- 2 विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में कोई अतिक्रमण, खनन कार्य नहीं किये हुए है।
- 3 प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है, जिस पर वृक्षारोपण स्थापित किया गया है एवं यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमल दरामद है।
- 4 प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.10 से 0.20 तक का है एवं इन क्षेत्रों में मुख्य रोंझ, देशी बबूल, झड़ बेरी, नीम एवं मिश्रित प्रजातियों के पेड़ एवं झाड़ियाँ हैं।
- 5 प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है। ग्राम रतनपुरा के खसरा नं. 900/727 रकबा 1.0117 है0 खातेदार कालुदास पुत्र मगनदास जाति बैरागी के नाम होकर वनखण्ड भैरूखेडा (बी) के खसरा 1006/727 के मध्य उत्तर दिशा में चक कास्त है। उक्त चक कास्त में खातेदार द्वारा कृषि कार्य करने हेतु उत्तर दिशा की तरफ 15 फिट चौड़ा रास्ते का उपयोग कर सकेगा। वनखण्ड भैरूखेडा (ए) के अन्दर ग्राम भैरूखेडा का खसरा नं. 393/5 एक चाह सार्वजनिक है जिस पर पानी पिलाने की सुविधा ग्रामवासियों की रहेगी। समीपवर्ती खातेदारी भूमिया वन सीमाओं से पृथक हैं एवं इससे प्रस्तावित वन क्षेत्रों के संरक्षण में कोई अवरोध नहीं होगा। विभागाधीन भूमियों का विकास कार्यों में उपयोग हो रहा है।
- 6 प्रस्तावित भूमियों का मानचित्र संलग्न है।

- 7 पूर्व में खसरावार भूमि का मौके पर सुविज्ञ रूप से सीमाज्ञान नहीं होने कारण अधिसूचना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे किन्तु अब सीमाज्ञान के पश्चात नये प्रस्ताव बनाये जाकर प्रेषित किये जा रहे हैं।
- 8 इस वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

**क्षेत्रीय वन अधिकारी  
भीलवाडा**

**डी.पी. जागावत,  
उप वन संरक्षक  
भीलवाडा ।**

---

**राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।**